केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संगठन)
CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION
(An Autonomous Organisation Under the Ministry of Education, Govt. of India)

केमाशिबो/शैक्ष./उस (डॉ.स्व.गु)/2024 **दिनांक :15.02.2024**
परिपत्र संख्या: शैक्ष.-16/2024

केमाशिबो से संबद्ध सभी विद्यालयों के प्रमुख

विषय: सेनबोसेक (जनवरी-जून 2024) के लिए लेख आमंत्रित करने के संबंध में।

प्रिय प्रधानाचार्य,

केमाशिबो की ओर से नमस्कार!

आशा है कि आपके विद्यालय समुदाय ने बोर्ड की द्विवार्षिक ई-पत्रिका **सेनबोसेक फ्लिपबुक** का नवीनतम अंक अवश्य पढ़ा होगा। फ्लिपबुक को केमाशिबो शैक्षणिक वेबसाइट के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है। सेनबोसेक एक अनूठा मंच है जो संबद्ध विद्यालयों को नवीन शैक्षणिक विचारों के आदान-प्रदान के माध्यम से अन्य सभी विद्यालयों तक पहुंचने और बोर्ड द्वारा की गई नवीनतम शैक्षिक पहलों से अवगत होने में सहायता प्रदान करता है।

नई शिक्षा नीति 2020 और स्कूली शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2023 की अवधारणाओं को बुनने के बोर्ड के प्रयासों की निरंतरता में, स्कूली शिक्षा के साथ, जनवरी से जून 2024 तक चलने वाले सेनबोसेक के आगामी संस्करण के विषय एनईपी 2020 के पैरा 4.6 (पेज 12) पर आधारित उद्देश्यों के साथ होगी। *सभी चरणों में, अनुभवात्मक शिक्षा को अपनाया जाएगा, जिसमें व्यावहारिक शिक्षा, कला-एकीकृत और खेल-एकीकृत शिक्षा, कहानी-आधारित शिक्षाशास्त्र, दूसरों के बीच, प्रत्येक विषय के भीतर मानक शिक्षाशास्त्र के रूप में और विभिन्न विषयों के बीच संबंधों की खोज सम्मिलित है।"*

अत: इस छमाही सेनबोसेक का विषय **"कला एकीकृत शिक्षण: कला गतिविधियों को पाठ योजना में एकीकृत करना"** होगा। अवधारणा नोट संलग्न किया गया है।

विद्यालयों से अनुरोध है कि वे अपने लेख साझा करें जो सेनबोसेक ई-पत्रिका के इस संस्करण में प्रकाशित किए जाएंगे। कृपया अपने लेख **15 अप्रैल 2024** या उससे पहले भेजें।

उप-विषय:

1. पाठ की योजना बनाना:

- नवोन्वेषी ट्रांसडिसिप्लिनरी पाठ योजनाएँ
- नवोन्वेषी बहुविषयक पाठ योजनाएँ
- स्टेम के लिए कला एकीकरण पाठ योजनाएँ

प्रधानाचार्यों और शिक्षकों को **सेनबोसेक** के वर्तमान अंक के लिए अंग्रेजी या हिंदी में अपने मूल लेख भेजने के लिए **15 अप्रैल 2024** या उससे पहले आमंत्रित किया जाता है। https://shorturl.at/fuIN2 पर दिए गए गूगल फॉर्म लिंक का उपयोग करके इस अंक में सर्वश्रेष्ठ 20 आलेख प्रकाशित किये जायेंगे।

विद्यालयी विद्यार्थियों को **सेनबोसेक** के वर्तमान अंक के लिए दिए गए विषय पर एक कवर डिज़ाइन **15 अप्रैल 2024** या उससे पहले भेजने के लिए भी आमंत्रित किया जाता है दिए गए गूगल फॉर्म लिंक https://shorturl.at/jlpCH का उपयोग करके किसी विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत सर्वोत्तम कवर डिज़ाइन को बुलेटिन के इस अंक में उपयोग किया जाएगा।

लेख प्रस्तुत करने के लिए दिशानिर्देश:

- **प्रत्येक लेख में निम्नलिखित सम्मिलित होना चाहिए -**
    - उप-विषय का शीर्षक,
    - परिचय,
    - लेख की सामग्री या मुख्य भाग,
    - निष्कर्ष,
    - दूसरों के साथ साझा करने के लिए चिंतन/सर्वोत्तम अभ्यास,
    - अंतिम नोट्स/संदर्भ.
- प्रत्येक लेख में लेखक का पूरा विवरण उसकी रंगीन पासपोर्ट आकार की फोटो के साथ होना चाहिए।
- प्रस्तुत करने हेतु भेजा गया लेख पहले से अप्रकाशित और अंग्रेजी या हिंदी में होना चाहिए। लेख सुन्दरता के साथ-साथ स्पष्टता के साथ उत्तम ढंग से लिखे जाने चाहिए और प्रस्तुत करने से पहले सावधानीपूर्वक कॉपी-संपादित किए जाने चाहिए।
- साहित्यिक चोरी को ध्यान में रहते हुए लेखों की जाँच की जानी चाहिए। साहित्यिक चोरी को बोर्ड द्वारा एक गंभीर कदाचार के रूप में देखा जाता है तथा जांच करने के पश्चात् ऐसा पाए जाने पर प्रस्तुत लेख को अस्वीकार कर दिया जाएगा।
- लेखक को लेख केवल एमएस-वर्ड में प्रस्तुत करना होगा (पीडीएफ पर विचार नहीं किया जाएगा)। वर्ड फ़ाइल का नाम "लेखक_विद्यालय संबद्धता संख्या का नाम" होना चाहिए। लेखों की लंबाई फ़ॉन्ट का आकार 11-पॉइंट एरियल होना चाहिए, चाहे वह सामान्य, बोल्ड या इटैलिक में हो; छवियों व एंडनोट्स सहित 1000 शब्दों/2 पृष्ठों (ए4 आकार) से अधिक नहीं होनी चाहिए ।
- कृपया पाठ में लाइन ब्रेक या फ़ॉर्मेटिंग के लिए विशेष स्थान ना छोड़ा जाए। सभी अध्यायों/अनुच्छेदों में डेढ़ लाइन का स्थान दिया जाना चाहिए। हिंदी में लेखों के सम्बन्ध में, दस्तावेज़ बनाने के लिए उपयोग किए जाने वाले सॉफ़्टवेयर का उल्लेख / लिंक आपके अनुलग्नक के पृष्ठ 3 में दिया जाना चाहिए।
- तालिकाओं और छवियों को उस अध्याय के पास रखा जाना चाहिए जहां उन्हें संदर्भित किया गया है। तालिका के शीर्षक तालिकाओं के ऊपर होने चाहिए। छवि कैप्शन छवि के नीचे केन्द्रित होना चाहिए। लेखक को लेख के अंत में एक स्वयं की फोटो लगानी चाहिए और अपना नाम, पदनाम, विद्यालय का नाम और विद्यालय संबद्धता संख्या के साथ पता का उल्लेख करना चाहिए।
- सभी उद्धरण टेक्स्ट में ना होकर एंडनोट्स के रूप में होने चाहिए। छवियों सहित किसी भी कॉपीराइट सामग्री के उपयोग के लिए अनुमति प्राप्त करना लेखक की जिम्मेदारी है।

किसी भी जानकारी के लिए विद्यालय 011-23231070 पर संपर्क या cenbosec.cbse@cbseshiksha.in

पर ईमेल कर सकते हैं।

शुभकामनाओं सहित

डॉ. जोसफ इमानुवल

निदेशक (शैक्षणिक)

प्रतिलिपि संबंधित निदेशालयों, संगठनों और संस्थानों के प्रमुखों को, जैसा कि नीचे दर्शाया गया है, उनके अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी विद्यालयों में सूचना प्रसारित करने के अनुरोध के साथ:

1. आयुक्त, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, 18 इंस्टीट्यूशनल एरिया, शहीद जीतसिंह मार्ग, नई दिल्ली-16
2. आयुक्त, नवोदय विद्यालय समिति, बी-15, सेक्टर-62, इंस्टीट्यूशनल एरिया, नोएडा-201309
3. सचिव, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस), जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार।
4. सचिव, सैनिक विद्यालय सोसायटी, कमरा नंबर 101, डी-1 विंग, सेना भवन, नई दिल्ली-110001।
5. अध्यक्ष, ओडिशा आदर्श विद्यालय संगठन, एन-1/9, दूरदर्शन केंद्र के पास, पीओ सैनिक विद्यालय नयापल्ली, भुवनेश्वर, ओडिशा-751005।
6. शिक्षा निदेशक, शिक्षा निदेशालय, भारत सरकार, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054
7. सार्वजनिक निर्देश निदेशक (विद्यालय), केंद्र शासित प्रदेश सचिवालय, सेक्टर 9, चंडीगढ़-160017
8. शिक्षा निदेशक, सिक्किम सरकार, गंगटोक, सिक्किम -737101
9. विद्यालय शिक्षा निदेशक, अरुणाचल प्रदेश सरकार, ईटानगर -791 111
10. शिक्षा निदेशक, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह सरकार, पोर्ट ब्लेयर - 744101
11. शिक्षा निदेशक, एसआईई, केमाशिबो सेल, वीआईपी रोड, जंगली घाट, पीओ 744103, अंडमान और निकोबार द्वीप
12. निदेशक, केंद्रीय तिब्बती विद्यालय प्रशासन, ईएसएसईएस प्लाजा, सामुदायिक केंद्र, सेक्टर -3, रोहिणी, दिल्ली
13. सेना शिक्षा के अतिरिक्त महानिदेशक, ए-विंग, सेना भवन, डीएचक्यू, पीओ, नई दिल्ली-110001
14. सचिव एडब्ल्यूईएस, रक्षा मंत्रालय (सेना) का एकीकृत मुख्यालय, एफडीआरसी बिल्डिंग नंबर 202, शंकर विहार (एपीएस के पास), दिल्ली कैंट-110010
15. केमाशिबो के सभी क्षेत्रीय निदेशकों/क्षेत्रीय अधिकारियों को इस अनुरोध के साथ कि वे अपने संबंधित क्षेत्रों में बोर्ड के सभी संबद्ध विद्यालयों के प्रमुखों को यह परिपत्र भेजें।
16. सभी संयुक्त सचिव/उप सचिव/सहायक सचिव/एसपीएस/विश्लेषक, केमाशिबो
17. सभी प्रमुख/प्रभारी, उत्कृष्टता केंद्र, केमाशिबो
18. प्रभारी आईटी इकाई को इस परिपत्र को केमाशिबो शैक्षणिक वेबसाइट पर डालने के अनुरोध के साथ
19. प्रभारी, पुस्तकालय
20. प्रमुख (मीडिया एवं जनसंपर्क), केमाशिबो
21. अध्यक्ष, केमाशिबो के उपसचिव
22. सचिव, केमाशिबो के वरिष्ठ निजी सचिव
23. केमाशिबो के निदेशक (शैक्षणिक) के प्रधान निजी सचिव
24. केमाशिबो के निदेशक (सूचना प्रौद्योगिकी) के वरिष्ठ निजी सचिव
25. केमाशिबो के परीक्षा नियंत्रक को प्रधान निजी सचिव
26. केमाशिबो के निदेशक (कौशल शिक्षा) के निजी सचिव
27. निदेशक (व्यावसायिक परीक्षा), केमाशिबो के प्रधान निजी सचिव
28. केमाशिबो के निदेशक (प्रशिक्षण) के वरिष्ठ निजी सचिव
29. निदेशक (सीटीईटी), केमाशिबो के वरिष्ठ निजी सचिव
30. निदेशक (एजुसैट), केमाशिबो के वरिष्ठ निजी सचिव
31. रिकॉर्ड फ़ाइल

निदेशक (शैक्षणिक)

Concept Paper

Art integrated learning: Integrating Art Activities into Lesson Planning

Dr. Swati Gupta, Joint Secretary, Academics.

Key words- Action Competence, Art Integration, Transdisciplinary Approach, Inclusivity

Introduction-

Action competence is concept that deals with an individual's capacity of critically selecting and conducting possible actions that may solve societal problems through democratic mechanisms (Odabaşı, Kurt, et al., 2011, p. 1). Education, when it moves beyond rote learning of concepts and enters into daily life situations of learners enabling them to take or suggest remedial measures leads to transdisciplinary approach.

In this process, involving art integrated activities as a means to teach lessons which not only develop capacity for action competence but also leads to transdisciplinary approach can create myriad understanding in the learners having a rippling effect on their future understandings and actions. Making a proactive, self -aware learner is also envisaged in the NEP 2020 and NCF 2023.

Review of Literature-

Jensen and Schnack (1997) in their influential paper on the 'Action Competence Approach' defines Action competence as being able, willing and qualified to act and has been defined as 'someone's insightful readiness to act in a way that meets the challenges of a given situation'. Observing that knowledge does not per se lead to much-needed action, Jensen (2002, 2004) has argued that the way knowledge is typically taught in formal education is not sufficiently action-oriented. He distinguishes four types of knowledge through which a problem can be approached and analysed:

(1) knowledge about the existence and consequences of the problem ('WHAT is the problem?'),
(2) knowledge about its root causes ('WHY do we have this problem?'),
(3) knowledge about alternatives and visions ('WHERE do we want to go?') and
(4) knowledge about strategies for change ('HOW do we change things?').

Jensen emphasises, that students are limited to 'landscape of knowledge' that is not necessarily conducive to action as it reduces the focus to the existence and consequences of the problem. For education to be action-oriented, he argues, it should strive to explore and develop all four dimensions of knowledge (Jensen 2002). Also, Almers (2013) highlights the important role that teachers play in students' pathways towards action competence. For example, how topics such as critical thinking or reflection on complexity can be taught to students in a more tangible manner? Collis (2021) speaks about Learning through the arts as both experiential and visceral, which can make it unforgettable and participatory.

Marshall (2015) suggested five strategies for the integration of art: deception, extension/ projection, reformatting, mimicry and metaphor. These strategies offer teachers and students in elementary, middle and high school; some concrete and doable art-based methods to connect art with the curriculum. Marshall (2010) proposed using contemporary art strategies to integrate art and key ideas in other subjects and to view visual arts integration as a transdisciplinary space.

Often classroom teaching takes students away from current challenges of their daily lives. The teachers don't equip the students to deal with issues such as separation anxiety from parents, making

friends, communication, bullying etc. The ability to weave class room teaching with these issue, brings a Transdisciplinary approach. The Problem/Project based on a real-life context. In such teaching, the discipline boundaries are de-emphasised and students work on a real-life problem or project. These concepts and skills bridge between the disciplines, real-world contexts and, students' interests and concerns

An effective manner in which students can be engaged into learning is to include various forms of art in the learning process. It is also both creative and interactive, as the art process is one of both exploration and involvement; it includes high-level skills such as working collaboratively, competitive thinking, creativity, resilience in problem solving and self-assessment. In inclusion, using the arts in learning provides students with visible tools for self- expression and encourages them to identify their own personal interests and pursue solutions to problems [Stainback and Stainback (1996), Vandercook and York (1990), Thousand and Villa (2000) and Weiner (2002)]. There are some important considerations to keep in mind while applying the Art Integrated Learning approach in the classroom to foster inclusivity:

1. A comprehensive approach to learning.
2. Aesthetic encounters.
3. Ability to switch back and forth between nonverbal and verbal communication.
4. The ability to see the similarities and differences between different arts.
5. Artistic reinforcement in integration.
6. Using integrated learning to empower students.
7. Encouraging others to think about things differently.
8. Creating an environment in which all opinions are welcomed.
9. Providing youngsters with decision making opportunities.
10. Identifying each child's unique strength.
11. Encouraging children to collaborate and work together while simultaneously working independently.
12. Every day of learning should be filled with fun, laughter and, new experiments and experiences.
13. Provide opportunities for students to role-play.
14. Allow kids to sketch and name their thoughts, ideas, and feelings to express themselves.
15. Encourage the use of art-related vocabulary.

Result and Discussion-

Integration of arts with subjects means that arts (visual arts, performing arts and literary arts) becomes an integral part of teaching-learning processes through adopting an art integrated lesson plans, where art becomes the basis of classroom learning (NCERT, 2019). Art Integration as means of Transdisciplinarity further signifies a unity of knowledge beyond disciplines and making it real life centric; Piaget, (1972). Arts at the centre of the lesson plan creates a doable solution other than clarifying concepts, therefore, making learning holistic, joyful and experiential. Such learning increases the capacity of learners to deal with situations and thereby making them action competent.

References-

1. Almers, E. 2013. "Pathways to Action Competence for Sustainability—Six Themes." The Journal of Environmental Education 44 (2): 116–127.
2. Collis, A. (2021). "Heutagogy in Action: An Action Research Project in Art Education" In: Hase, S. and Blaschke, L.M., Eds., Unleashing the Power of Learner Agency, EdTech Books. https://edtechbooks.org/up/art

3. Jensen and Schnack (1997) “The Action Competence Approach in Environmental Education.” Environmental Education Research 3 (2): 163–178.
4. Jensen, B. B. 2002. “Knowledge, Action and Pro-Environmental Behaviour.” Environmental Education Research 8 (3): 325–334.
5. Jensen, B. B. 2004. “Environmental and Health Education Viewed from an Action-Oriented Perspective: A Case from Denmark.” Journal of Curriculum Studies 36 (4): 405–425, 326.
6. Marshall (2015). “Art education five ways to integrate: using strategies from contemporary art”. Art Educ 63(3):13–19.
7. Marshall (2010). Transdisciplinarity and art integration: toward a new understanding of art-based learning across the curriculum. Stud Art Educ 55(2):104–127.
8. NCERT (2019). Retrieved from itpd.ncert.gov.in/mss/course_content/Module%203%20-%20Art%20Integrated%20Learning.pdf
9. Odabaşı, H., Kurt, A. et al. (2011). ICT action competence in teacher education. EDULEARN11 Proceedings. Retrieved from http://library.iated.org/view/ODABASI2011ICT
10. Piaget, J. 1972. « L’épistémologie des relations interdisciplinaires ». In L’interdisciplinarité – Problèmes d’enseignement et de recherche, ed. L. Apostel et al.
11. Stainback and Stainback (1996). “Collaboration, support networking, and community building” In W. Stainback & S. Stainback (Eds.), Inclusion: A guide for educators Baltimore: Paul H. Brookes Publishing Co,1996:193- 202.
12. Thousand and Villa (2000). “ The Many Faces of Collaborative Planning and Teaching” In Jacqueline S. Thousand, Richard A. Villa, Ann I. Nevin, Theory Into Practice, Vol. 45, No. 3, Inclusive Schooling Practices: From Why to How (Summer, 2006), pp. 239-248 (10 pages)
13. Vandercook and York (1990). “Strategies for Achieving an Integrated Education for Middle School Students with Severe Disabilities” Volume 11, Issue 5, https://doi.org/10.1177/074193259001100503
14. Weiner, M (2002). Learner Centered Teaching: Five Key Changes to Practice. San Francisco: Jossey Bass.

xxxxxx